

M.A. - I (Sociology) (NEP Pattern) Semester-I
NEP-131 / MASOC103 Core Paper - Perspectives on Indian Society

P. Pages : 3

Time : Three Hours



GUG/S/25/15209

Max. Marks : 80

-
- Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the ideological perspective of Louis Dumont. 16

OR

Explain the structural functional perspective of M.N. Srinivas.

2. Discuss the Marxist Perspective of D.P. Mukherjee. 16

OR

Explain the Dr. B. R. Ambedkar's subaltern perspective.

3. Write short answer on **any two** of the following. 16

- a) Characteristics of caste.
- b) Dube's view's on rural change in India.
- c) Contribution of A. R. Desai on Rural India.
- d) Civilization perspective by N. K. Bose.

4. Write short answer on **any two** of the following. 16

- a) Theory of origin of Caste. G. S. Ghurye.
- b) Concept of sanskrutilization M. N. Srinivas.
- c) Marxian perspective.
- d) Dr. B. R. Ambedkar's thought on origin of caste.

5. Write short notes on each. 16

- a) What is Indology.
- b) Changing village and S. C. Dube.
- c) Impact of Marx on A. R. Desai.
- d) Dr. B. R. Ambedkar and untouchability.

M.A. - I (Sociology) (NEP Pattern) Semester-I
NEP-131 / MASOC103 Core Paper - Perspectives on Indian Society

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. लुईस ड्युमा यांचा प्राच्यविद्या दृष्टीकोन स्पष्ट करा. 16
- किंवा**
- एम. एन. श्रीनिवास यांचा संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टीकोन स्पष्ट करा.
2. डी. पी. मुखर्जी यांच्या मार्क्सवादी दृष्टीकोनाची चर्चा करा. 16
- किंवा**
- डॉ. बी. आर. आंबेडकर यांचा उपेक्षितांचा दृष्टिकोन स्पष्ट करा.
3. खालीलपैकी कोणत्याही दोनवर थोडक्यात उत्तरे लिहा. 16
- अ) जातीची वैशिष्ट्ये.
- ब) दुबेचे भारतातील ग्रामीण परिवर्तन विषयक विचार.
- क) ग्रामीण भारतावरील ए. आर. देसाईचे योगदान.
- ड) एन. के. बोस यांचा सभ्यता दृष्टीकोन.
4. खालीलपैकी कोणत्याही दोनवर थोडक्यात उत्तरे लिहा. 16
- अ) जातीच्या उत्पत्तीचा सिद्धांत – जी. एस. धुर्ये.
- ब) एम. एन. श्रीनिवास यांची संस्कृतीकरणाची संकल्पना.
- क) मार्क्सवादी दृष्टीकोन.
- ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर यांचे जाती उत्पत्ती विषयी विचार.
5. खालीलपैकी प्रत्येक घटकावर थोडक्यात टिपा लिहा. 16
- अ) भारतीय प्राच्यविद्या म्हणजे काय?
- ब) परीवर्तीत खेडी आणि एस.सी.दुबे.
- क) ए. आर. देसाई वरील मार्क्सचा प्रभाव.
- ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर आणि अस्पृश्यता.

M.A. - I (Sociology) (NEP Pattern) Semester-I
NEP-131 / MASOC103 Core Paper - Perspectives on Indian Society

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. लुईस ड्युमा का भारतविद्याशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य स्पष्ट कीजिये 16
अथवा
एम. एन. श्रीनिवास का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य स्पष्ट कीजिये।
2. डी. पी. मुखर्जी के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिये। 16
अथवा
डॉ. बी. आर. आंबेडकर का वंचितों का दृष्टीकोन स्पष्ट कीजिये।
3. निम्नलिखित **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। 16
अ) जाति की विशेषताये।
ब) भारत में ग्रामीण परिवर्तन पर दुबे के विचार।
क) ग्रामीण भारत पर ए. आर. देसाई का योगदान।
ड) एन. के. बोस का सभ्यता दृष्टीकोन।
4. निम्नलिखित **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। 16
अ) जाति के उद्गम का सिद्धांत – जी. एस. धुर्ये।
ब) एम. एन. श्रीनिवास की संस्कृतीकरण की अवधारणा।
क) मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य।
ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर के जाति की उत्पत्ति पर विचार।
5. निम्नलिखित **हर** इकाई पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 16
अ) भारतीय प्राच्यविद्या से क्या अभीप्राय है।
ब) परिवर्तनिय गाँव और एस.सी.दुबे।
क) ए. आर. देसाई पर मार्क्स का प्रभाव।
ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर एवं अस्पृश्यता।
